ISSN : 2583-2948

उजाला

इला प्रसाद
व्याख्याता : भौतिकी
संत थामस विश्वविद्यालय
ह्यूस्टन , टेक्सास , अमेरिका
ईमेल :ilanaren@yahoo.co

अंधेरे कमरे में

जमीन पर गिरे

कागज़ के टुकड़े को

उठाना चाहा

तो हथेली में

उजाले का टुकड़ा चला आया |

उजाला

जो खिड़की से छन रहा था

मेरी हथेली पर

बैठ तो सकता था

उठाया नहीं जा सकता था |

उतारा मैंने उसे कागज़ पर

कविता की शकल में

पहचाना

उजाले भी उतरते हैं कागज पर

कभी कविता , कभी ख़ुशी बनकर

हाथ में उजाला भरना

हमेशा मुश्किल नहीं होता !